MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY OF JOURNALISM AND COMMUNICATION

// UNIVERSITY LIBRARY //

-: NEWS CLIPPING SERVICE -:

DATE:10 APRIL 2026

पं.माखनलाल चतुर्वेदी स्मृति व्याख्यान

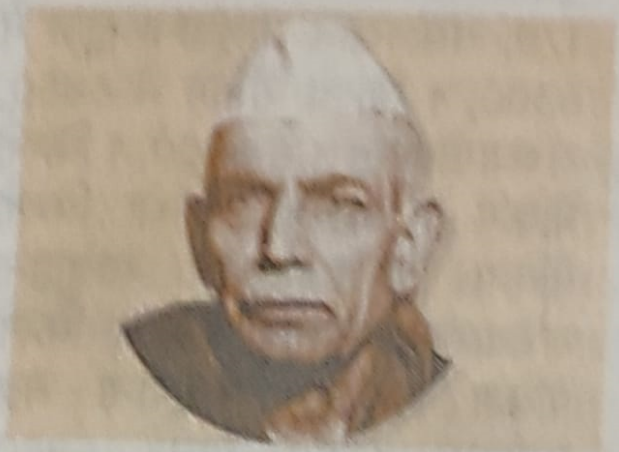

समय : सुबह 11 बजे से

स्थान : गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार, एमसीयू

आयोजक : माखन लाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'PATRIKA'10 APRIL.2026

माखनलाल चतुर्वेदी स्मृति व्याख्यान आज, पत्रकारिता के योगदान पर होगा विमर्श

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: बिशनखेड़ी स्थित माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता व संचार विश्वविद्यालय में शुक्रवार को पं. माखनलाल चतुर्वेदी स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष व्याख्यान का विषय 'माखनलाल जी का युग एवं उनकी पत्रकारिता' रखा गया है, जिसमें उनके साहित्यिक और पत्रकारिता क्षेत्र में योगदान पर विस्तार से चर्चा होगी।

कार्यक्रम सुबह 11 बजे गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में आयोजित किया जाएगा। मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व कुलगुरु अच्युतानंद मिश्र उपस्थित रहेंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य निर्वाचन आयुक्त आइएएस मनोज श्रीवास्तव करेंगे। व्याख्यान का संचालन विनय उपाध्याय करेंगे। यह आयोजन पत्रकारिता और साहित्य के क्षेत्र में माखनलाल, जी की विरासत को याद करने का अवसर प्रदान करेगा।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'NAVDUNIYA'10 APRIL.2026

पं. माखनलाल चतुर्वेदी स्मृति व्याख्यान आज

भोपाल, 9 अप्रैल. पंडित माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में 10 अप्रैल को पं. माखनलाल चतुर्वेदी स्मृति व्याख्यान का आयोजन होगा. पूर्वाह्न 11 बजे गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में होने वाले इस कार्यक्रम में पं.माखनलाल चतुर्वेदी के युग और उनकी पत्रकारिता पर चर्चा होगी. मुख्य वक्ता अच्युतानंद मिश्र होंगे. कार्यक्रम की अध्यक्षता मनोज श्रीवास्तव करेंगे. इसके अलावा 11 अप्रैल को शिवाजी नगर स्थित दुष्यंत संग्रहालय में शाम चार बजे तुलसी साहित्य अकादमी द्वारा सृजन श्रृंखला के तहत पुस्तक लोकार्पण और साहित्यिक विमर्श आयोजित होगा.

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'NAVBHARAT'10 APRIL.2026

एमसीयू में जनसंपर्क अधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल : जनसंपर्क विभाग के अपर संचालक जी.एस. वाधवा ने एमसीयू में जनसंपर्क अधिकारियों और सोशल मीडिया हैंडलर्स के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि शासकीय सेवा में निरंतर सीखने की आदत सफलता की कुंजी है। कुलगुरू श्री विजय मनोहर तिवारी ने जनसंपर्क अधिकारियों को मीडिया के सकारात्मक उपयोग की आवश्यकता बताई और कहा कि मीडिया के माध्यम से सकारात्मक वातावरण बनाया जा सकता है। प्रथम सत्र में वरिष्ठ पत्रकार कमलेश माहेश्वरी ने डिजिटल तकनीक और एआई का उपयोग जनसंपर्क में कैसे किया जा सकता है, पर चर्चा की। दूसरे सत्र में ई-आफिस और ई-एचआरएमएस पर प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें सरकारी दस्तावेजों के डिजिटलीकरण की प्रक्रिया को समझाया गया।

तीसरे सत्र में पूर्व सूचना आयुक्त श्री आत्मदीप जी ने सूचना के अधिकार और मीडिया से जुड़े कानूनों पर जानकारी दी। अंतिम सत्र में जनसंपर्क विभाग के उप-संचालक सुनील वर्मा ने सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग पर प्रकाश डाला। इस प्रशिक्षण में प्रदेश भर के जनसंपर्क अधिकारी शामिल हुए।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'DANIK NAIDUNIYA'10 APRIL.2026

एमसीयू में जनसंपर्क अधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण

आरंभ

निरंतर सीखना और आगे बढ़ते रहना जनसंपर्क में सफलता के लिए आवश्यक: जीएस वाधवा

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

जनसंपर्क के क्षेत्र में काम करने वाले अधिकारियों को लगातार सोचते रहना चाहिए। फील्ड में रहने के कारण रोज होने वाले नए अनुभवों से हम हमेशा नई चीजें सीखते हैं। शासकीय सेवा में हमेशा नई बातें सीखने की आदत सफलता की ओर ले जाती है। ये बातें जनसंपर्क अधिकारियों एवं सोशल मीडिया हैंडलर्स की दक्षता उन्नयन के दो दिवसीय कार्यक्रम में जनसंपर्क विभाग के अपर संचालक जी.एस. वाधवा ने कही। वे इस प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में बोल रहे थे। श्री वाधवा ने कहा कि शासकीय सेवा में हमेशा नया सीखना होता है। नित नई परिस्थितियां अधिकारियों को अनुभव संपन्न बनाती हैं। उन्होंने कहा कि हम जब भी किसी किए गए कार्य का मूल्यांकन करते हैं तो हर बार लगता है कि यह काम और बेहतर ढंग से हो सकता था। इस मूल्यांकन से सीख कर हम निकट भविष्य के लिए और अच्छी योजना बनाते हैं। इस अवसर पर सत्र की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि जनसंपर्क का कार्य बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों को मीडिया का सकारात्मक उपयोग आना जरूरी है। जनसंपर्क के क्षेत्र में काम करने के लिए उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशील होना आवश्यक बताया। श्री तिवारी ने कहा कि पब्लिक रिलेशन के क्षेत्र के लोगों का पब्लिक से कनेक्शन बहुत मजबूत होना चाहिए।

सुशासन में सहायक है सूचना का अधिकार

तीसरे सत्र में सूचना के अधिकार, प्रेस अधिनियम तथा मीडिया से जुड़े कानूनों, प्रावधानों पर पूर्व सूचना आयुक्त आत्मदीप ने जानकारी देते हुए कहा कि सूचना का अधिकार सुशासन में सहायक है। इससे भ्रष्टाचार कम हुआ है। यह आजाद भारत का क्रांतिकारी कानून है। इससे आम आदमी को व्यवस्था से जुड़ी शीर्ष संस्थाओं से भी जानकारियां हासिल करने का अधिकार मिला है। श्री आत्मदीप ने इस अवसर पर सूचना के अधिकार में वर्णित विविध प्रावधानों को भी विस्तार से समझाया। कई उदाहरणों के साथ उन्होंने लोकसेवकों के उत्तरदायित्वों पर भी चर्चा की। उन्होंने इस सत्र में प्रश्नोत्तर के माध्यम से भी प्रतिभागी अधिकारियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया।

अधिकारियों को दिया ई-ऑफिस का प्रशिक्षण

कार्यक्रम में दूसरा तकनीकी सत्र ई-आफिस पर केंद्रित था। इसमें शासन में डिजिटल नवाचारों पर विस्तार से जानकारी दी गई। इसके साथ ही इस सत्र में जनसंपर्क अधिकारियों को ई-आफिस और ई-एवआरएमएस साफ्टवेयर का प्रशिक्षण भी दिया गया। इस पर एनआईसी भोपाल की ओर से धर्मेंद्र जैन, शैलेंद्र सिंह तथा मैपआईटी से मुबारक खान ने प्रशिक्षण दिया। अब डिजिटल दौर में कार्यालय अधिकतर डिजिटल हो गए हैं। ऐसे में अधिकारियों को ई-फाइलिंग नॉलेज मैनेजमेंट सिस्टम आदि विषयों की जानकारी होना आवश्यक है। इस अवसर पर धर्मेंद्र जैन ने कहा कि सरकारी कार्यालयों में भारी संख्या में दस्तावेज बनते हैं। इनका प्रबंधन बहुत महत्वपूर्ण कार्य है। मानवीय तरीके से फाइलों के प्रचलन में बहुत समय लगता है। डिजिटलीकरण और ई-ऑफिस जैसे नवाचार इसे सरल बनाते हैं।

सोशल मीडिया से लक्षित वर्ग तक पहुंचाएं सूचनाएं

अंतिम सत्र में जनसंपर्क विभाग के उप-संचालक सुनील वर्मा ने जनसंपर्क के लिए सोशल मीडिया के बेहतर उपयोग पर जानकारी दी। सोशल मीडिया का जनसंपर्क के क्षेत्र में कैसे बेहतर उपयोग किया जाए इस पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि जनसंपर्क के क्षेत्र में काम करने वाले लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को अपने लक्षित वर्ग तक सूचनाएं पहुंचाने का प्रमुख माध्यम बना सकते हैं। इस माध्यम की स्पीड, एक्युरेसी और ओपननेस इसे विशेष बनाती है। श्री वर्मा ने इस अवसर पर प्रदेश के जिला जनसंपर्क कार्यालयों द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से संचार और संवाद के नवाचारों पर भी चर्चा की।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH JYOTI'10 APRIL.2026